Lost Found person

बिछुड़े हुये लापता व्यक्तियों को उनके परिवारों से मिलाने का एक सामाजिक प्रयास

Admin. : RAHUL SHARMA
Mobile : 9782279219
E-mail : contact@lostfoundperson.com
Website: www.lostfoundperson.com

क्रमांक : Lostfound/ 2018/ 144 दिनांक : 22 Jan. 2018

प्रेस – नोट

तीन वर्ष बाद आपस में मिलेंगे भाई– बहन

जयपुर। उन तीन मासूम भाई– बहनों को तो अपना कसूर भी मालूम नहीं है और ना ही उन्हें अपने परिवार के बारे में मालूम है। वे मासूम तो ये भी नहीं जानते कि बचपन में वे अपने परिवार से बिछुड़कर भटके हुए हैं या फिर माता– पिता ने ही उन्हें लावारिसों के तरह भटकने के लिए छोड़ दिया है। पहले तो नियति ने उनके साथ यह खेल खेला और बाद में ये तीनों मासूम सिस्टम और नियति के शिकार होकर आपस में भी अलग– अलग होकर बिछुड़ गये।

यह कहानी है राजस्थान की कोटा पुलिस को सितम्बर, 2013 में लावारिस भटकते हुए मिले तीन भाई– बहनों की, जिनकी उस समय उम्र क्रमशः लगभग 5, 4 व 3 वर्ष रही होगी। इनके परिवारों से मिलाने की कोशिश करते हुए इन तीनों को अलग– अलग जिलों के एक से दूसरे शिशुगृहों में स्थानान्तरित किया जाता रहा और स्थानान्तरण की इस कड़ी में नवम्बर, 2014 में ये तीनों भाई– बहन आपस में भी बिछुड़ गये, जो आज तक भी एक दूसरे से नहीं मिल पाये। नवम्बर, 2014 में दोनों भाइयों को अलग शिशुगृह में और बहन को अलग शिशुगृह में स्थानान्तरित कर दिया गया।

हालांकि कई कोशिशों के बावजूद इनके परिवार की तो तलाश अभी तक नहीं हो सकी, लेकिन बिछुड़े हुए लावारिस व्यक्तियों को उनके परिवारों से मिलाने के लिए प्रयासरत लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान द्वारा अलवर के आरती बालिका गृह, जयपुर के एस.ओ.एस. बालग्राम एवं अलवर व जयपुर जिलों की बाल कल्याण समितियों के सहयोग से अब 3 वर्ष से अधिक समय बाद इन तीनों भाई– बहनों को आपस में जरूर मिला दिया जायेगा।

सितम्बर, 2013 में राजस्थान की कोटा पुलिस को तीन भाई–बहन लावारिस भटकते हुए मिले थे। इन्हें तत्समय बाल कल्याण समिति, कोटा के आदेश पर जिला अलवर स्थानान्तरित किया गया, जहाँ से बाल कल्याण समिति, अलवर के आदेश पर इन्हें नवम्बर, 2014 में जयपुर स्थानान्तरित किया गया, परन्तु जयपुर के शिशुगृह में बालिकाओं को रखने की व्यवस्था ना होने के कारण दोनों भाई जयपुर रह गये और बहन को वापस

Address: "Jai Maa", S-2, Swapnlok Residency-II, 122-123, Ashok Nagar, Niwaru Road, Jhotwara, Jaipur (Rajasthan) - 302012

अलवर भेज दिया गया। उसके बाद ये भाई– बहन आपस में कभी मिल ही नहीं पाये और अंततः बहन आरती बालिका गृह, अलवर में पहुंच गई।

आरती बालिका गृह द्वारा इस मामले की जानकारी लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान की जानकारी में लाये जाने के बाद अभियान द्वारा इन दोनों भाइयों की खोज प्रारंभ की गई और जिला जयपुर व अलवर की बाल कल्याण समितियों के सहयोग से दोनों भाइयों को खोज निकाला गया, जो एस.ओ.एस. बालग्राम, जयपुर में पुनर्वासित थे। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में बाल कल्याण समिति जयपुर की सदस्य निशा पारीक, आरती बालिका गृह अलवर के संचालक चेतराम सैनी एवं एस.ओ.एस. बालग्राम जयपुर की संचालिका अंजलि का विशेष योगदान रहा। लॉस्ट फाउण्ड पर्सन के संस्थापक राहुल शर्मा द्वारा इन सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

तीनों भाई– बहनों को आपस में मिलाने के लिए आवश्यक कागजी कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है तथा दोनों जिलों की बाल कल्याण समितियों द्वारा आदेश जारी किये जा चुके हैं। शीघ्र ही तीनों भाई– बहनों को आपस में मिलाया जायेगा।

- **क्या है लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान**

लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान राजस्थान पुलिस एवं सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार से अधिकृत देशव्यापी सामाजिक अभियान है, जिसका उद्देश्य बिछुड़े हुए लावारिस व्यक्तियों को उनके परिवारों से मिलाने का प्रयास करना है। इस अभियान का शुभारम्भ भारतीय नववर्ष के अवसर पर दिनांक 8 अप्रैल, 2016 को किया गया था और इतने कम समय में यह अभियान सम्पूर्ण भारतवर्ष के सैंकड़ों व्यक्तियों को उनके परिवारों से मिलाने में सफलता प्राप्त कर चुका है।

- **ऐसे जुड़ें लॉस्ट फाउण्ड पर्सन अभियान से**

अभियान से जुड़ने के इच्छुक व्यक्ति शर्मा के व्हाट्सएप नम्बर 9782279219 पर संपर्क स्थापित करके अभियान के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ सकते हैं। इसके अलावा अभियान की वेबसाइट lostfoundperson.com पर जाकर स्वयं को वॉल्युन्टीयर के रूप से रजिस्टर कर सकते हैं तथा अभियान के फेसबुक ग्रुप व ट्विटर अकाउन्ट को फॉलो कर सकते हैं। फेसबुक ग्रुप व ट्विटर अकाउन्ट का लिंक वेबसाइट के होम पेज पर दिया गया है।

कोई भी आम व्यक्ति किसी भी लापता व्यक्ति या लावारिस पाये गये व्यक्ति का विवरण सीधे ही अभियान की वेबसाइट पर दर्ज कर सकता है अथवा दिये गये व्हाट्सएप नम्बर पर उपलब्ध करा सकता है।

(राहुल शर्मा)